SURYA FOUNDATION

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका - अंक 7

दिसंबर 2020

चयनित आदर्श गाँव

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

www.suryafoundation.org

suryaadarshgaonyojna
suryafoundation1
sf10idealvillage
surya_foundation
suryafoundation
@suryafnd

हम होंगे कामयाब

पॉलीहाउस द्वारा जैविक कृषि की शुरुआत : बसई (उत्तराखण्ड)

आदर्श गाँव बसई का मझरा, काशीपुर, (उत्तराखण्ड) में दो वर्षों से 6 स्वयं सहायता समूह चल रहे हैं, इन दो वर्षों में समूहों की महिलाओं द्वारा सामाजिक परिवर्तन में कई प्रकार के कार्य किए गए जिसमें सिलाई प्रशिक्षण, मतदाता जागरुकता अभियान, नशामुक्ति अभियान प्रमुख कार्य हैं। गाँव की जागरुकता को देखते हुए परम्परागत कृषि आयोग की ओर से जैविक खेती हेतु आदर्श गाँव बसई का मजरा को गोद लिया गया है। जिसमें किसान समूह का गठन किया गया। परम्परागत कृषि करने हेतु विभिन्न प्रकार की सुविधायें और जानकारी उपलब्ध कराई गई। जिसके बाद कई किसान सब्जी एवं अनाज की उपज अब परम्परागत कृषि के तहत ही कर रहे हैं।

उत्तराखण्ड राज्य सरकार की योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को विशेष लाभ देने हेतु उद्यान एवं खाद्य संस्करण जनपद पंचायत उधमसिंह नगर की ओर से लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह, सुदीक्षा स्वयं सहायता समूह और दुर्गा स्वयं सहायता समूह की आठ महिला सदस्यों के लिए पॉलीहाउस (100 वर्ग मीटर) निर्माण कराया गया। योजना के तहत पॉलीहाउस की लागत 121300 रुपये है। सरकार द्वारा 90 प्रतिशत की सब्सिडी दी गई तथा केवल 10 प्रतिशत की लागत से 100 वर्ग मीटर का पॉलीहाउस निर्माण कराया गया।

इस पॉलीहाउस का निर्माण इंडियन एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी के अनुसार किया गया है। जिसमें कई प्रकार की जैविक सब्जियाँ एवं खाद्य पदार्थ उगाये जाएंगे, जिससे महिला किसानों के परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार एवं आसपास के क्षेत्र को जैविक सब्जियाँ उपलब्ध कराने से स्वास्थ्य एवं अन्य बीमारियों से निजात मिलेगी। पॉलीहाउस के माध्यम से मौसम की विभिन्न आपदाओं से बचते हुए अनेक सब्जियाँ और अन्य फसलों का लाभ बड़े ही सहज एवं सरल तरीके से लिया जाएगा।

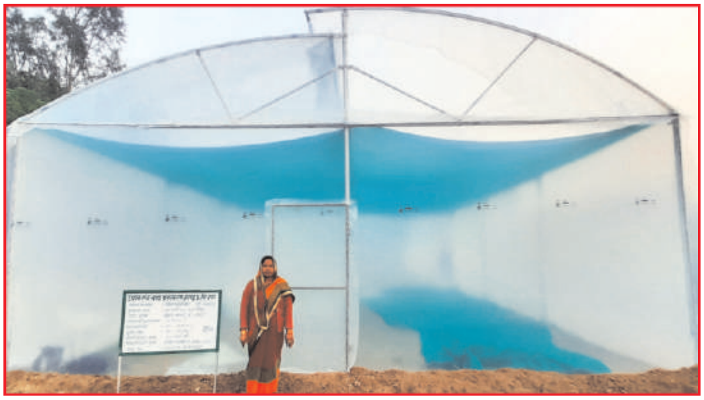

अन्य कार्य

- संस्कार केन्द्र पर निबंध लेखन प्रतियोगिता कराई गई।
- पोषण वाटिका से सब्जियों का उत्पादन शुरू हुआ है।
- साप्ताहिक भजन-कीर्तन व अखण्ड रामायण पाठ का अयोजन कराया गया।
- सूर्या यूथ क्लब के माध्यम से मंदिर का सुंदरीकरण कराया गया।
- आठ लोगों के पॉलीहाउस बनाने का कार्य पूरा किया गया।

ग्राम विकास के लिए - युवा शक्ति सेवा संगठन : पेण्ड्री

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा छत्तीसगढ़ के आदर्श गाँव के लिए चयनित पेण्ड्री में सूर्या यूथ क्लब की टीम ने सितंबर 2020 से प्रत्येक रविवार को स्वच्छता अभियान गाँव में चलाया जा रहा है। गाँव के अलग-अलग स्थानों जैसे मंदिर, आश्रम, सार्वजनिक बैठक आदि पर स्वच्छता अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। इस माह समिति ने निर्णय लिया कि स्वच्छता समिति गाँव की स्वच्छता के अलावा गाँव विकास के अन्य कार्यों में भी अपना सहयोग करेगी।

इसके लिए गाँव के युवाओं और ग्राम विकास समिति (सेवाभावी कार्यकर्ताओं) के साथ बैठक की गई। जिसमें सबकी सहमति से निर्णय लिया गया कि स्वच्छता समिति को **युवा शक्ति सेवा संगठन** का रूप देना चाहिए। जिसमें सभी सदस्यों की भागीदारी बराबर की हो, साथ ही बचत की दृष्टि से भी संगठन के सभी सदस्य अपना पैसा सुरक्षित रख सकें।

इसके लिए **युवा शक्ति सेवा संगठन** के नाम से बैंक में खाता खोला गया। इसके बाद निर्णय लिया गया कि संगठन के सभी सदस्य प्रत्येक माह 100-100 रुपये जमा करेंगे और जमा की गई राशि जरूरतमंद व्यक्तियों को कम ब्याज दर पर दी जाएगी। इस कार्य में पूरा संगठन उसका सहयोग करेगा। ब्याज पर दी गयी राशि एक निश्चित समय में व्यक्ति द्वारा संगठन को वापस करनी होगी। संगठन की बकाया राशि बैंक में जमा की जायेगी। युवा शक्ति सेवा संगठन स्वयं सहायता समूह के रूप में कार्य करेगा। साथ ही ग्राम विकास के लिए पंचायत के साथ मिलकर अलग-अलग सरकारी योजनाओं के लाभ ग्रामवासियों को दिलाने का कार्य किया जायेगा। **गाँव का सर्वांगीण विकास ही संगठन का एक मात्र लक्ष्य होगा।**

अन्य कार्य

- पशुओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए गाँव में दवा का छिड़काव किया गया।
- युवाओं को भजन कीर्तन से जोड़ा।
- अंतर्ध्यान दिवस पर सात्विक आनंदी चौका आरती यज्ञ का आयोजन।
- युवा शक्ति सेवा संगठन का गठन।
- गौशाला जीर्णोद्धार हेतु आवश्यक सामग्री संग्रह की गयी।
- एम.एन. बायोटेक द्वारा किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया।

महिलाओं को सशक्त बनाने में सिलाई केन्द्र की अहम् भूमिका : फफूँडा (मेरठ)

राष्ट्र के विकास में सामाजिक विकास भी अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अत: आवश्यक है कि देश व समाज के विकास के लिए सभी घटक युवा, महिलाएँ, बुजुर्ग व बच्चे आदि का भी विकास हो। इसी क्रम में सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत गाँव के समग्र विकास के लिए अनेक प्रकार से प्रयास किए जा रहे हैं जो कि गाँव की उन्नति में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

मेरठ क्षेत्र के आदर्श गाँव फफूँडा में महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु पिछले 4 वर्षों से नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र संचालित है। जिसमें 10 से 12 बहनों का एक बैच बनाकर 6 महीने का प्रशिक्षण कराया जाता है। इसमें अब तक 100 बहनों ने सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त किया है। जुलाई से दिसंबर माह तक सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी बहनों को सूर्या फाउण्डेशन द्वारा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सिलाई केन्द्र पर प्रशिक्षित बहनें अपने परिवार के कपड़े स्वयं सिल रही हैं। घर के कपड़ों की सिलाई पर होने वाले खर्च को बचा रही हैं। इसी तरह दो बहनें सिलाई सीखने के बाद अपने घर पर ही आस-पास की महिलाओं के कपड़े सिलकर 150-200 रुपये प्रतिदिन कमा रही हैं। सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से गाँव की बहनें सशक्त हो रही हैं।

अन्य कार्य

- संस्कार केन्द्र पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता करायी गयी।
- आंगनबाड़ी केन्द्र के माध्यम से संतुलित आहार जागरूकता अभियान चलाया गया।
- संस्कार केन्द्र के बच्चों को भोजनमंत्र और सूर्यनमस्कार मंत्र याद कराया।
- साप्ताहिक हनुमान चालीसा का पाठ शुरू किया गया।
- कृष्णा स्वयं सहायता समूह को 50000 लोन हेतु आवेदन। समूह को राशन वितरण का काम दिलाया।

सरकारी फण्ड का पूरा उपयोग : मूण्डला (सीहोर)

कहते हैं भारत के विकास का रास्ता गाँव से होकर गुजरता है। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले का मूण्डला गाँव विकास कार्यों से अपने आस-पास के गाँवों में अपनी सकारात्मक छाप छोड़ रहा है। गाँव में सरपंच, उपसरपंच व ग्रामीणों के सहयोग से सरकारी फण्ड का पूरा उपयोग किया जाता है। गाँव के विकास कार्यों में ग्रामीणों की अहम भूमिका रहती है। विकास कार्य के विषय में समय-समय पर गाँव के प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की जाती है।

इस माह गाँव के सुंदरीकरण को लेकर विषेश कार्य किए जा रहे हैं, गाँव के बीच विद्यालय के पास एक हरे-भरे पार्क का निर्माण किया जा रहा है। जो आने वाले समय में गाँव की सुंदरता को बढ़ाएगा। साथ ही साथ विद्यालय के बच्चों व ग्रामीणों के खेलने व टहलने के लिए अच्छा स्थान बनेगा। यह गाँव शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, समरसता और स्वावलंबन की दिशा में बढ़ रहा है। इसके साथ-साथ गाँव में गौशाला और सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है।

अन्य कार्य

- संस्कार केन्द्र पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम कराया गया।
- 12 महिलाओं को प्रौढ़ शिक्षा से जोड़ा।
- कोरोना जागरुकता अभियान चलाया गया।
- सार्वजनिक स्थानों पर श्रमदान किया।
- सामूहिक राष्ट्रगान की शुरूआत की गयी।
- समूह की पाँच माताओं द्वारा गौ-उत्पाद बनानें का कार्य शुरू किया गया।
- गौ-पालन को बढ़ावा मिला है।

सड़क का निर्माण कार्य

गौशाला निर्माण का कार्य

स्वयं सहायता समूह से स्वावलंबन की ओर : नगलावर (मथुरा)

गाँव की 75 प्रतिशत से अधिक आबादी के व्यवसाय का प्रमुख आधार खेती है। व्यवसाय में अधिक विकल्प नहीं होने के कारण ग्रामीणों को अनेक समस्याएँ होती हैं। वैसे तो आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता हर व्यक्ति तथा परिवार का लक्ष्य होना चाहिए लेकिन जब किसी व्यक्ति या परिवार को किसी अन्य व्यक्ति पर निर्भर होना पड़ता है तो उसका विकास उतना नहीं हो पाता जितना होना चाहिए और जीवन कष्टमय हो जाता है।

इन समस्याओं के निवारण के लिए **आदर्श गाँव नगलावर में स्वयं सहायता समूह की माताओं ने मिलकर एक सार्थक प्रयास शुरू किया है।** सामूहिक शक्ति किस प्रकार समाज के परिवर्तन का आधार बन सकती है और कैसे किसी समूह के विकास से समूह से जुड़े हर व्यक्ति का विकास स्वत: ही हो जाता है इसका सबसे अच्छा उदाहरण गाँव नगलावर का अहिल्याबाई स्वयं सहायता समूह है। समूह से जुड़ी हेमलता देवी ने समूह से 7000 रुपये का सहयोग लेकर घर पर किराना की दुकान शुरू की। दुकान घर में ही करने से घर के काम भी हो जाते हैं। घर के दैनिक कामों को करते हुए इस दुकान की आय से परिवार का खर्च निकल जाता है। शुरुआत में इस दुकान के माध्यम से 150-200 रुपये प्रतिदिन की आय प्राप्त हो रही है।

स्वावलंबन का यह कार्य स्वरोजगार की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है। गाँव की अन्य महिलायें समूह के इस कार्य से प्रेरणा ले रही हैं और उनकी समूह के प्रति अच्छी सोच बनी है। वे समूह से जुड़ने के इच्छुक भी हैं। ग्रामीणों का कहना है संस्था द्वारा किया जा रहा यह प्रयास बहुत ही अच्छा और गाँव के लिए हितकारी है।

अन्य कार्य

- दो माताओं का नि:शुल्क नेत्र जाँच कराकर इलाज कराया गया।
- सेवाभावियों के सहयोग से मंदिर में एक नया घण्टा लगाया गया।
- चंद्रभान की भजन टोली के साथ भजन कार्यक्रम किया गया।
- शादी में यूथ क्लब के युवाओं द्वारा श्रम सहयोग किया गया।
- समूह की सहायता से किराना की दुकान खोली गयी।
- समूह की महिलाओं को राशन वितरण का काम दिलाया गया।

जन सहयोग से कराया मंदिर का कार्य : नांदियाकल्ला (जोधपुर)

आदर्श गाँव नांदियाकल्ला का नाम नन्दबाबा के नाम पर पड़ा है। यह गाँव शांति का प्रतीक है और **गोंसाई जी मंदिर** यहाँ का प्रसिद्ध मंदिर है। गाँव की भजन समिति द्वारा मन्दिरों के निर्माण कार्य व जीर्णोद्धार के कार्य को संभाला जाता है। सेवाभावी समिति की मासिक बैठक में ग्राम विकास के विषय में चर्चा हुई।

पिछले कई वर्षो से गाँव के एक मन्दिर का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ था। उसके विषय में ग्रामीणों ने चर्चा की और मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य की योजना बनाई। मंदिर के पुजारी भंवर सिंह जी ने इस कार्य की जिम्मेदारी लेते हुए निर्माण कार्य को शुरू कराया। इस पुनीत कार्य में गाँव के समस्त ग्रामवासियों ने बढ़-चढकर सहयोग किया।

युवाओं द्वारा अभियान चलाकर घर-घर से आर्थिक सहयोग लेकर मंदिर निर्माण का कार्य शुरु किया गया। मन्दिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। गाँव में भजन सप्ताह का आयोजन किया जाता है।

अन्य कार्य

- संस्कार केन्द्र पर निबंध प्रतियोगिता।
- अंबेडकर जयंती मनाई गयी।
- योग केन्द्र नियमित चल रहा है। *(16-18 संख्या)*
- सुबह-शाम प्रतिदिन मंदिर में राम-राम नाम का जाप होता है।
- साप्ताहिक भजन कीर्तन कार्यक्रम।
- ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर का निमार्ण कार्य शुरू किया गया।
- महिला स्वयं सहायता समूह की बैठक हुई व बचत राशि जमा की गयी।

स्वरोजगार हेतु गौ-उत्पाद प्रशिक्षण शिविर : नयागाँव (झज्जर)

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को दो-दिवसीय गौ-आधारित उत्पादों का प्रशिक्षण कराया गया जिसमें धूपबत्ती, साबुन, उपले (हवन के उपयोग हेतु कण्डे), हर्बल फिनाइल एवं दंत मंजन बनाना सिखाया गया। इस प्रशिक्षण में स्वयं सहायता समूह की 30 माताओं-बहनों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण के उद्घाटन में श्रीमान भरतराज जी ने कहा कि प्रशिक्षण आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत कराया जा रहा है जिससे गाँव में रोजगार बढ़ेगा। गाँव आत्मनिर्भर बनेगा एवं महिला सशक्तिकरण होगा।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा भारत के 18 राज्यों में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम कराए जा रहे हैं, जिसमें 172 स्वयं सहायता समूह की लगभग 2000 महिलाएँ प्रशिक्षण प्राप्त करके स्व-रोजगार के लिए आगे बढ़ रही हैं। गाय को हम गौमाता कहते हैं क्योंकि गाय में 33 कोटि देवी देवताओं का वास होता है। गाय के हर उत्पाद को पवित्र माना जाता है। आज अनेकों गौशालाओं पर विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाकर स्वरोजगार किया जा रहा है। गाय को केवल सहलाना व सुबह दर्शन करने मात्र से हमारे बहुत से कष्ट दूर हो जाते हैं। गौमूत्र से कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों को भी ठीक किया जाता है।

संजय तिवारी जी ने समूह की बहनों को धूपबत्ती, साबुन, कण्डे, हर्बल फिनाइल और मंजन बनाने का बहुत ही सरल तरीका बताया। इससे घर शुद्ध होता है स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाने वाले कीटाणु भी नष्ट हो जाते हैं। महिलाओं ने प्रशिक्षण के अनुभव में कहा कि हम पहले घर पर उपयोग करने के लिए गौ-उत्पाद बनाएँगे फिर गाँव में ही इसके उपयोग पर बल देंगे और फिर इस प्रयोग को अगले तीन माह के अन्दर स्वरोजगार के रूप में विस्तार किया जायेगा।

अन्य कार्य

- संस्कार केन्द्र पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता करायी गयी।
- पोषण वाटिका की सब्जियो का उत्पादन शुरू हुआ है।
- युवाओं और बच्चों द्वारा स्वच्छता अभियान।
- समूह की बैठकों में हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कराया।
- 10 महिलाओं ने फिनायल, धूपबत्ती बनाने का कार्य शुरू किया।

सेवाभावियों के सहयोग से लगाया गया LED बल्ब : लोनाँव (गोरखपुर)

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयनित गाँव लोनाँव के शिक्षक दान बहादुर राय, सूरज राय पूर्णकालिक कार्यकर्ता रामकोमल जी एवं सेवाभावियों के प्रयास से गाँव में लगे बिजली के खम्भों पर LED बल्ब लगवाया गया। पहले गाँव के रास्तों पर बल्ब न लगने के कारण अंधेरा रहता था। लोगों को आने जाने में समस्यायें होती थी। इस समस्या के समाधान हेतु सूर्या फाउण्डेशन की टीम ने गाँव के युवाओं और सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने मिलकर मासिक बैठक में खम्भों पर LED लगाने का निर्णय लिया। सामाजिक कार्यों से प्रेरित होकर सेवाभावी कार्यकर्ता अजय राय जी ने इस कार्य हेतु 4000 रुपये दिये और युवाओं के साथ मिलकर गाँव के 25 खम्भों पर LED बल्ब लगाने का कार्य पूरा किया गया। अब गाँव के सभी रास्तों में रात को भी उजाला रहता है।

अन्य कार्य

- 5वीं तक के बच्चो से घर पर ही पढ़ाई के लिए सम्पर्क किया।
- गाँव के 20 परिवारों में नियमित योग अभ्यास किया जाता है।
- सहभोज कार्यक्रम में संस्कार केन्द्र के बच्चों और यूथ क्लब के युवाओं द्वारा जल की व्यवस्था सम्भाली।
- गाँव में 25 खम्भों पर LED लाइट लगायी गयी।
- समूह की महिलाओं को राशन वितरण का काम दिलाया गया।

संस्कार केन्द्र पर मातृ पूजन कार्यक्रम : सलोई (विदिशा)

म.प्र. के चयनित गाँव सलोई (विदिशा) में बच्चों व युवाओं द्वारा, तुलसी पूजन दिवस के अवसर पर मातृ पूजन कार्यक्रम किया गया, जिसमें सभी भैया, बहनों व युवाओ ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी माताओं को तिलक लगाकर दीप आरती की और श्रीफल (नारियल) भेंट कर पूजन किया।

भारतीय संस्कृति के अनुसार माताओं को देवी का रूप माना जाता है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए माता की सीख जरूरी होती है। बच्चों के संस्कार की पहली कड़ी अपने घर से ही शुरू होती है। इसलिये माता को बच्चे का प्रथम गुरु माना जाता है।

कार्यक्रम में 30 माताओं की उपस्थित रही। वही मातृ शक्ति द्वारा संकल्प लिया गया कि- ***हम अपने बच्चों को साक्षर बनायेंगे। उन्हें शिक्षा में आगे बढ़ायेंगे, किसी भी बच्चे को चाहे लड़का हो या लड़की अशिक्षित नही रखेंगे।*** कार्यक्रम में सूर्या फाउण्डेशन मध्य प्रदेश क्षेत्र प्रमुख शिवकुमार जी उपस्थित रहे।

अन्य कार्य

- सार्वजनिक स्थानों पर श्रमदान किया गया।
- 20 परिवारों ने नियमित योग अभ्यास शुरु किया।
- जैविक खेती जागरूकता अभियान चलाया
- साप्ताहिक सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन। जय श्री राम संबोधन का अभ्यास।
- मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया।
- महिला भजन-मण्डली द्वारा भजन कीर्तन कार्यक्रम हुआ
- नए स्वयं सहायता समूह के गठन हेतु महिलाओं के साथ बैठक की गयी।

माता-पिता की सेवा करो।

स्वावलंबन की ओर बढ़ रहे महिलाओं के कदम : कादीपुर (काशी)

आदर्श गाँव कादीपुर की महिलाओं को स्वावलंबन एवं स्वरोजगार की ओर अग्रसर करने के लिए कादीपुर के स्वयं सहायता समूह को रोजगार से जोड़ा गया है जिसमें महिलाओं को आँगनबाड़ी के पोषाहार का वितरण करने के लिए 3 गाँव (कादीपुर, नकाईन, फरीदपुर) की जिम्मेदारी मिली है। समूह की सभी महिलाएँ गाँव में गेहूँ, चावल, दाल, दूध का पाउडर और घी पैकिंग करने का काम करती हैं। इससे वह अपने परिवार का खर्च आसानी से संभाल पा रही हैं।

उत्तर प्रदेश के गाँवों में आँगनबाड़ी केन्द्रों द्वारा वितरण किए जा रहे ड्राई राशन को लाभार्थियों तक पहुँचाने में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की मुख्य भूमिका होती है। संक्रमण के समय जब लोग घर से बाहर निकलने के लिए डरते थे, तब ये महिलायें घर-घर जाकर आँगनबाड़ी द्वारा बँटने वाले राशन (गेहूँ, चावल, दाल, चीनी, दूध का पाउडर, देशी घी आदि) का काम बड़े ही उत्साह से करती थी। इस काम से जुड़ने से महिलाओं को माह में 2-3 दिन का काम मिलता है। जिससे 300 रुपये का लाभ प्रत्येक महिला को प्राप्त होता है।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा सिलाई मशीन भेंट की गई इस मौके पर उत्तर प्रदेश आयोग की सदस्य श्रीमती मीना चौबे जी उपस्थित रहीं। उन्होंने बताया कि महिलाएँ सिलाई सीखकर सिलाई मशीन के माध्यम से एक एक रोजगार की शुरुआत कर सकती हैं और मेहनत करके इस काम को एक बड़े रूप में भी खड़ा कर सकती हैं। यह एक बहुत बड़ा हुनर है। जिससे रोजगार कभी बंद होने वाला नहीं है। बस जरूरत है तो केवल मन और लगन से काम करने की।

अन्य कार्य

- E-Mini PDC कराया गया।
- संस्कार केन्द्र के बच्चों को 20 तक पहाड़े याद कराए गए।
- कोरोना से बचाव हेतु काढ़ा पैकेट का वितरण कराया गया।
- हनुमान मंदिर पर भजन-कीर्तन कार्यक्रम कराया गया।
- समूह को राशन वितरण का काम दिलाया

समाचार पत्रों में चयनित आदर्श गाँव की झलकियाँ

मातृभूमि के शहीद हमारे लिए प्रेरणा स्रोत- भाटी

नवज्योति/सोयला। शहीद डूंगरराम मुंडन की स्मृति में नांदियां कला में सूर्या फाउंडेशन तथा महाराणा प्रताप यूथ क्लब के द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया। इस अवसर पर जसवंत सिंह भाटी सरपंच नांदिया कला ने कहा कि वीर भोग्य वसुंधरा यह वीरों से परिपूर्ण रही है यदि वीरता की बात करते हैं तो ऐसा कोई भी काल नहीं रहा जिस समय हमारे जवानों ने अपनी वीरता का परिचय नहीं दिया। 16 दिसंबर के दिन ही हमारी सेना ने पाकिस्तानी सेना को धूल चटा कर बांग्लादेश को स्वतंत्रता दिलाई, नब्बे हजार के करीब पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बनाया। आज तक के विश्व इतिहास में सबसे अधिक बंदी बनाने वाला यदि कोई देश है तो वह भारत है। यह सब हमारे सैनिकों के शौर्य के कारण ही संभव हुआ है और आज इसी शौर्य को याद करते हुए शहीद डूंगरराम मुंडन की स्मृति दिवस पर हम पूर्व सैनिकों का भी सम्मान करते हैं तथा पूर्व सैनिकों से प्रेरणा लेकर हमारी युवा भी सेना में जाए भारत मां की सेवा करे।

बाल संस्कार केंद्र पर मातृ पूजन कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम के दौरान मौजूद माताओं का पूजन किया गया। ● नवदुनिया

गंजबासौदा(नवदुनिया न्यूज)। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के तहत चल रहे बाल संस्कार केंद्र पर मातृ पूजन कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। जिसमें संस्कार केन्द्र पर आने वाले सभी भैया बहनों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी माताओं को तिलक लगाकर उनकी आरती उतारकर श्रीफल भेंट किया। कार्यक्रम में सूर्या फाउंडेशन मध्यप्रदेश राज्य ... संस्कार की पहली कड़ी भी अपने घर से शुरू होती है। इसलिये माता को बच्चे का प्रथम गुरु माना जाता है। कार्यक्रम में 30 माताएं उपस्थित रहीं। वहीं मातृ शक्ति द्वारा संकल्प लिया गया कि हम अपने बच्चों को साक्षर बनाएंगे।

जितना सम्भव होगा हम उन्हें शिक्षा में आगे रखेंगे, किसी भी बच्चे को चाहे लड़का हो या लड़की अशिक्षित नहीं रखेंगे।

कादीपुर में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सूर्या फाउंडेशन ने भेंट की सिलाई मशीन

चेतना समाचार सेवा

वाराणसी। आदर्श गांव कादीपुर में महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए पंचायत भवन पर सूर्या फाउंडेशन द्वारा सिलाई केंद्र का उद्घाटन उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य श्रीमती मीना चौबे जी एवं सूर्या फाउंडेशन के क्षेत्र प्रमुख कुलदीप मोहन शर्मा द्वारा किया गया । श्रीमती मीना चौबे ने बताया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सूर्या फाउंडेशन के द्वारा सिलाई सेंटर के माध्यम से महिलाओं को सिलाई सिखा कर स्वावलंबी बनाना उनको आत्मनिर्भर भारत की तरफ ले जाने का एक प्रभावी कदम है । सूर्या फाउंडेशन के काशी क्षेत्र प्रमुख कुलदीप शर्मा ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन के द्वारा पूरे देश में १० आदर्श गांव को गोद लेकर उन्हें स्वावलंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है ।

जिसमें महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से जोड़ना तथा सिलाई सेंटर के माध्यम से सिलाई सिखा कर उनको आत्मनिर्भर बनाने ...

... फेडर भरत शाह, सूर्या यूथ क्लब के शिक्षक सुरेन्द्र बिन्द तथा सूर्या संस्कार केंद्र के शिक्षक रामविलास सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की ... एश्रीमती सुशीला पटेल, श्रीमती सुमन एवं नगीना देवी एवं स्वयं सहायता समूह की सभी बहने सिलाई केंद्र की सभी बहनों के साथ उद्घाटन ...

कैलाश पटेल (सैंधव राजपूत)
ग्राम मूंडला तहसील इछावर
जिला-सीहोर (म.प्र.)
मो.नं. 8817513411

काम बोलता है!!

नवदुनिया
हमारे प्रतिनिधि
A Brand Solution Initiative

कार्यवृत वर्ष 1994 से 2018 तक

भारत के हृदय स्थल मध्यप्रदेश के सीहोर जिले से 30 किमी की दूरी पर बसी ग्राम पंचायत मूंडला जिसमें दो गांव ग्राम मूंडला एवं बागनखेड़ा हैं। जिसकी कुल आबादी महिला व पुरुष को सम्मिलित करते हुए 1410 है। ग्राम पंचायत की विकास गाथा एक चबूतरा निर्माण से ग्रामीण विकास की शुरुआत की। आज ग्राम मूंडला में हमारे द्वारा सुसज्जित पंचायत भवन निर्माण, प्राथमिक शाला भवन निर्माण, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, माध्यमिक शाला भवन निर्माण, माध्यमिक शाला भवन की बाउंड्रीवाल निर्माण, स्कूल परिसर में नाली, क्यारी निर्माण व पेवर ब्लॉक निर्माण, शालाओं में बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालयों का निर्माण, मध्याह्न भोजन के लिए किचिनशेड निर्माण, ग्राम मूंडला व बागनखेड़ा में खेल मैदान निर्माण, पेयजल के लिए निर्मल नीर निर्माण, ग्राम की प्रत्येक गलियों में पक्की सीसी सड़क व नाली निर्माण, पेयजल के लिए पाइपलाइन निर्माण, ग्राम के प्रत्येक घर में एक साफ सुथरा शौचालय उपयोग के लिए पानी सहित निर्माण करवाकर सीहोर जिले का प्रथम खुले में शौचमुक्त ग्राम, सार्वजनिक शौचालय निर्माण, ग्राम में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन में ग्राम की पक्की नाली निर्माण, सोख्ता गड्ढों का निर्माण, नाडेप, निर्माण, भू-नाडेप निर्माण, प्रत्येक परिवार के हर 18 वर्ष से अधिक के सदस्य का जनधन योजना में खाता खुलवाकर बीमा करवाया गया। ग्राम के 105 घरों में बायोगैस का निर्माण का निर्माण करवाया साथ ही शेष घरों के परिवारों को उज्ज्वला योजना से जोड़कर धुंआ मुक्त गांव बनाया। ग्राम पंचायत में सामाजिक सौहार्द कायम करना, पिछले 25 वर्ष से ग्राम पंचायत का प्रतिनिधित्व करते हुए। ग्राम पंचायत में अच्छे और ठोस कार्य कर ग्राम मूंडला को आदर्श गांव बनाया गया। जिसके कारण भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा स्वच्छता में पुरस्कृत कर सम्मान किया गया। समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा भी स्वच्छता पानी रोको अभियान अंतर्गत आदर्श ग्राम पर पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही भारत सरकार में कई बार दिल्ली में अन्य प्रदेशों के अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को स्वच्छता के टिप्स देने के लिए दिल्ली आमंत्रित किया गया। हमने ग्राम में शराबबंदी, नशापान, तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट पर प्रतिबंध लगाकर ग्राम को नशामुक्त ग्राम बनाने का कार्य किया गया है। आज ग्राम पंचायत मूंडला की पहचान मध्यप्रदेश ही नहीं देश-विदेश तक बनी है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के सपनों का गांव जैसा वह देश के प्रत्येक ग्राम को देखना चाहते है। वैसा हमने ग्राम पंचायत मूंडला को निर्मित किया जा रहा है। जिस दिन हमारा ग्राम पूर्ण विकसित हो जाएगा। उस दिन हमारे देश की तामिरी में एक और मिनार विकसित हो जाएगी।

सिलसिला जारी रहेगा...

वर्ष 1996 में माननीय सांसद सुशील चंद वर्मा ग्राम पंचायत भवन का उद्घाटन करते हुए

सुश्री उमा भारती जी पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री से चर्चा करते हुए।

वर्ष 2002 में ''पानी रोको अभियान'' अंतर्गत प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते हुए कैलाश पटेल।

वर्ष 2015 में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान जी द्वारा ग्रा. प. मूंडला के सरपंच कैलाश पटेल पुरस्कृत।

दिल्ली में आयोजित स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम में सचिव श्री. चंद्रकला से सम्मान प्राप्त करते हुए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के सम्मान समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरपंच कैलाश पटेल।

नरेंद्र मोदी जी द्वारा गोद लिए ग्राम जयापुर वाराणसी में भारत सरकार की ओर से निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने भेजा।

ग्राम पंचायत मूंडला में यूनिसेफ की टीम जो विदेश से आई थी के साथ ग्रामीणों से चर्चा करते हुए।

सुषमा स्वराज विदेश मंत्री भारत सरकार के साथ सूर्या फाउण्डेशन की टीम के साथ, सूर्या फाउण्डेशन के कार्यक्रम में।

मध्यप्रदेश शासन द्वारा ग्राम पंचायत मूंडला के उपसरपंच कैलाश पटेल को स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्राप्त सम्मान पत्र।

स्वच्छता मिशन अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने पर कैलाश पटेल उपसरपंच ग्राम पंचायत मूंडला को पुरस्कृत करते हुए नरेंद्र सिंह तोमर मंत्री

खेत-खेत में सिंचाई के बेहतर आयाम, ग्राम पंचायत मूंडला में निर्मित कपिलधारा कूप।

ग्राम पंचायत मूण्डला के निर्माण कार्य :-

1-सीसी रोड निर्माण बाबूलाल के मकान से निर्मल नीर कूप तक-सांसद मद से 2.00 लाख
2-सीसी रोड निर्माण तुलसिंह मालवीय के घर से राजेंद्र के घर तक पंचपरमेश्वर मद से 2.48 लाख
3-सीसी रोड निर्माण सज्जन सिंह के मकान से देवी सिंह के मकान तक - 0.18 लाख
4-सीसी रोड निर्माण ज्ञान सिंह के मकान से जसोदाबाई के मकान तक - 3.48 लाख
5-सीसी रोड निर्माण मंदिर के चबूतरे से बाबूलाल के मकान तक -1.29 लाख
6-सीसी रोड निर्माण मैन रोड से जीवन के मकान तक-1.70 लाख
7-सीसी रोड निर्माण मैन रोड से परसराम के मकान तक-0.39 लाख
8-सीसी रोड निर्माण गुलाब सिंह कमल के बीच की गली-0.13 लाख
9-सीसी रोड निर्माण कमल के मकान से गुलाब सिंह के मकान तक-0.96 लाख
10-सीसी रोड निर्माण मैन रोड से बाबूलाल के मकान से खेल मैदान तक-3.16 लाख
11-सीसी रोड निर्माण भावर के मकान से जीवन के मकान तक -1.27 लाख
12-सीसी रोड निर्माण बाबूलाल के मकान से सीमा के शौचालय तक-0.64 लाख
13-सीसी रोड निर्माण चैन सिंह के मकान से फूल सिंह के मकान तक-0.74 लाख
14-सीसी रोड निर्माण रामसिंह के मकान से हीरालाल के मकान तक-0.40 लाख
15-सीसी रोड निर्माण मैन रोड से बनसी के मकान तक-1.19 लाख
16-सीसी रोड निर्माण मैन रोड से चुलाखी के मकान तक 3.77 लाख
17-सीसी रोड निर्माण कुण्डी से महेश गिरि के मकान तक-0.12 लाख
18-सीसी रोड निर्माण सज्जन के मकान से सम्पत के मकान तक-0.11 लाख
19-सीसी रोड निर्माण दशरथ के मकान से रेवाराम के मकान तक-1.20 लाख
20-सीसी रोड निर्माण विपन सिंह के मकान से बिश्राम के मकान तक-0.53 लाख
21-सीसी रोड निर्माण रेवाराम के मकान से उदय सिंह के मकान तक-2.73 लाख
22-सीसी रोड निर्माण मैन रोड से पर्वत के मकान तक-0.99 लाख
23-सीसी रोड निर्माण इंदिरा आवास कालोनी में-0.99 लाख
24-पेवर ब्लाक निर्माण शांतिधाम में विधायक मद-3.00 लाख
25-सार्वजनिक चबूतरा निर्माण शांतिधाम-सांसद मद-1.50 लाख
26-बाउंड्रीवाल निर्माण माध्यमिक शाला-378 लाख
27 श्मशान शेड निर्माण-0.70 लाख
28 सामुदायिक स्वच्छता परिसर-2.00 लाख
29 सुदूर सड़क निर्माण मूंडला से रामबसी -3.00 लाख
30 सुदूर सड़क निर्माण मूंडला में-12.45 लाख
31 सुदूर सड़क निर्माण मैन रोड से शांतिधाम -5.96 लाख
32 निर्मल नीर कूप निर्माण संख्या 05 1.04 लाख
33 प्रधानमंत्री आवास निर्माण ग्रामीण संख्या 7032
34 शांतिधाम में स्टोर रूम निर्माण-1.50 लाख
35 पोखर निर्माण शांतिधाम-3.00 लाख
36 पार्क निर्माण मूंडला-5.16 लाख
37 गौ शाला निर्माण-37.84 लाख
38 चारागाह निर्माण-7.00 लाख
39 आवास योजना-96.64 लाख
40 शांतिधाम निर्माण-2.45 लाख
41 पेंशन धारी-80
42 बीपीएल-132

ग्राम पंचायत मूंडला विकास की ओर अग्रसर.....